www.princepolo.in +91 77070 90907
PRINCE POLO
Design... Style... Quality...
Architectural Hardware Fittings
POLO HARDWARE COLLECTION
Mumbai- 401105
WE SUPPLY MORE THAN
5000 PRODUCTS OF HARDWARE FITTINGS
IN MUMBAI, INDIA

Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज

www.carpentersnews.com

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2025-27
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | अप्रैल 2026 | वर्ष : 21 | अंक : 05 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

कारपेंटरों को मिले सरकारी योजनाओं का लाभ .... पेज - 2

4 Decades of Excellence

Spider®
Locks & Accessories
Where Safety Meets Strength

Toll Free No.: 1800 200 0660
SPIDER METAL PRODUCTS PVT. LTD.
Aligarh | Delhi (NCR) | Bengaluru
www.spiderlocks.com
info@spiderlocks.com

तुषार कथरेचा आघाड़ी के सेक्रेटरी नियुक्त

कारपेंटरों को मिले सरकारी योजनाओं का लाभ

मुंबई। भाजपा कामगार आघाड़ी मुंबई अध्यक्ष अभिजीत राणे ने कहा कि कारपेंटरों के लिए केंद्र और राज्य सरकार की तरफ से कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में कारपेंटर इन योजनाओं से वंचित हैं।

विलेपार्ले (पश्चिम) विश्वकर्मा बाग में आयोजित सुतार कारपेंटर समाज सम्मेलन में राणे ने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत कारपेंटर सहित 18 पारंपरिक व्यवसायों में लगे कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए प्रशिक्षण योजना शुरू की गई है जिससे कारीगरों के कौशल को तराशा जा सके। उन्होंने कहा कि मजदूरों को सरकारी

नियमों के हिसाब से उनकी प्रतिदिन की मजदूरी मिलनी चाहिए। प्रोविडेंट फंड के साथ दूसरी सरकारी सुविधाओं के फायदे भी मिलना चाहिए, जिनके बारे में अभी कई मजदूरों को पता नहीं है। इस अवसर पर विश्वकर्मा बाग के अध्यक्ष तुषार कथरेचा को भाजपा कामगार आघाड़ी मुंबई का सेक्रेटरी का नियुक्ति पत्र देकर नई जिम्मेदारी सौंपी गई।

समारोह में भाजपा मुंबई के महासचिव आचार्य पवन त्रिपाठी, विधायक पराग अलवानी, भाजपा गुजराती सेल मुंबई अध्यक्ष बिमल भुता, नगरसेवक अनिल मकवाणा आदि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

फर्नीचर मार्केट में आग, 15 दुकानें जलकर राख

ठाणे। भिवंडी-ठाणे रोड पर काशेली क्रीक के पास चामुंडा कॉम्प्लेक्स के फर्नीचर मार्केट में आग लगने से भारी आर्थिक नुकसान हुआ। करीब 11 बजे भीषण आग लगी, घटना की जानकारी मिलते ही भिवंडी फायर ब्रिगेड की दो और ठाणे फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। फायर ब्रिगेड अधिकारियों ने बताया कि आग को पूरी तरह बुझाने में पांच घंटे लग गए। मेट्रो लाइन से सड़क किनारे सिर्फ दस फीट की दूरी पर मौजूद फर्नीचर की दुकान जलने से मेट्रो के पिलर भी काले पड़ गए। आग सड़क के निचले हिस्से में बनी एक दुकान में लगी थी। धीरे-धीरे यह फैलती गई और सड़क के नीचे की 9 और ऊपर की 8 दुकानें आग में जलकर राख हो गईं।

शादी-विवाह में रॉयल कार का ले रहे आनंद

कारपेंटर ने कबाड़ से बनाई रॉल्स रॉयस विंटेज कार

आजमगढ़। तरवा क्षेत्र के कारीगर ने अपनी मेहनत और हुनर से ऐसा कर दिखाया है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। पेशे से कारपेंटर सलमान ने कबाड़ के सामान और सीमित संसाधनों का इस्तेमाल कर एक ऐसी विंटेज कार तैयार की है, जो दिखने में बिल्कुल रॉल्स रॉयस की क्लासिक कार जैसी नजर आती है। सलमान की यह अनोखी कार इलाके में आकर्षण का केंद्र बन गई है। जहां असली विंटेज कारें करोड़ों रुपये में आती हैं, वहीं सलमान ने उसी लुक और स्टाइल को बेहद कम लागत में तैयार कर दिया। अब आम लोग भी शादी-विवाह या अन्य खास मौकों पर इस रॉयल कार का आनंद ले पा रहे हैं। यह पहल खास तौर पर उन लोगों के लिए खुशी का कारण बनी है, जो महंगी गाड़ियों का सपना देखते हैं। इस विंटेज कार को बनाने के लिए सलमान ने देश के अलग-अलग हिस्सों से कबाड़ के पुर्जे इकट्ठा किए, फिर अपनी कारीगरी और सूझबूझ से उन बेकार समझे जाने वाले सामान को एक शानदार कार का रूप दे दिया। उनकी यह कोशिश न केवल उनकी प्रतिभा को दशार्ती है, बल्कि यह भी बताती है कि सीमित संसाधनों में भी बड़े सपने पूरे किए जा सकते हैं।

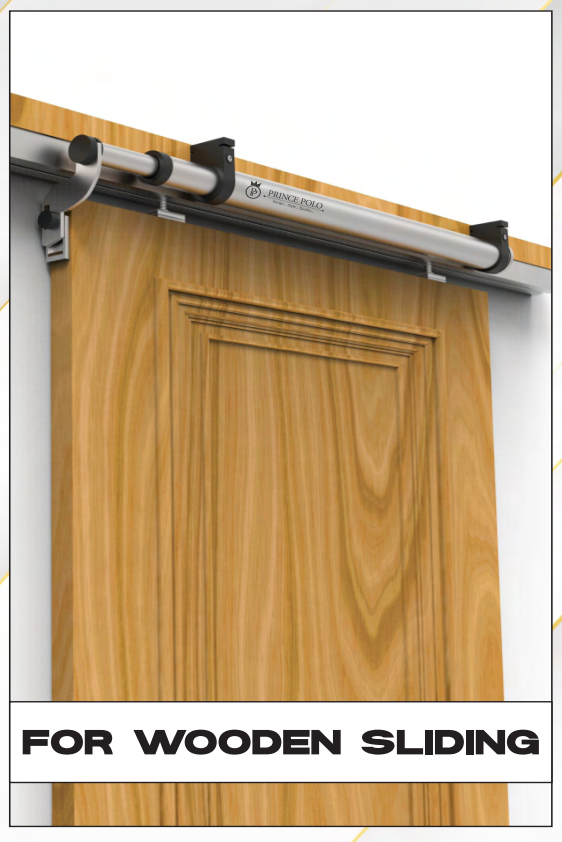

PDC-041
SLIDING
DOOR
CLOSER

www.princepolo.in
+91 77070 90907

PRINCE POLO
Design... Style... Quality...
Architecture Hardware Fittings
Imp & Marketed by: POLO HARDWARE COLLECTION
Mumbai- 401105

कारपेंटर्स न्यूज

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

कारपेंटर्स न्यूज में विज्ञापन या प्रतियों के लिए **9320566633** पर संपर्क करें।
Email: carpentersnews@gmail.com

सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को बैसाखी, अक्षय तृतीया, भगवान परशुराम जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं।
- संपादक

मुंबई | अप्रैल 2026 | वर्ष : 21 | अंक : 05 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

EVERY DOOR DESERVES A
dorsët
MORE SAFE. MORE SECURE.
dorsët MITRON
Saath Umar Bhar Ka!

UNWAY
The Smart Way

डॉर्सेट iBOX
मैक्सिमम स्टोरेज.
अल्ट्रा-स्मूद रन.
स्मार्ट एक्सेस।

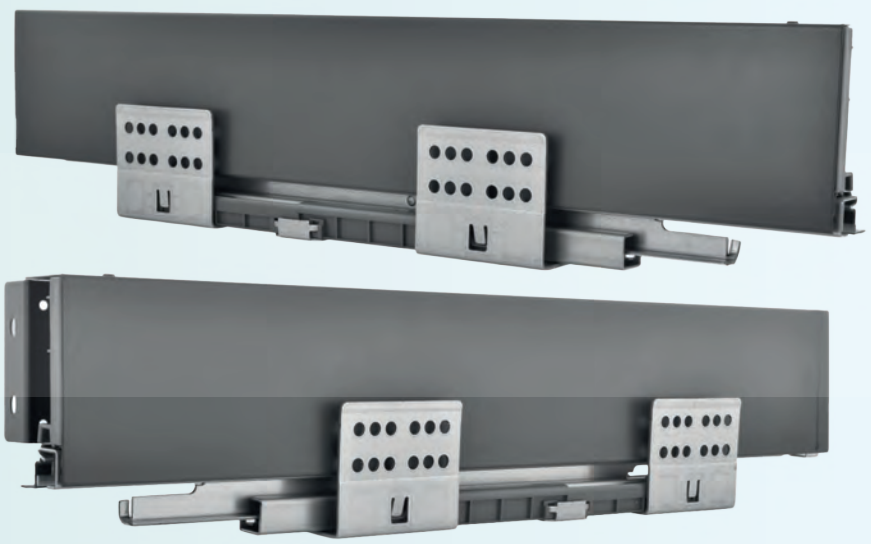

बस लगाओ, स्कैन करो...
और इनाम कमाओ!

MITRON HELPDESK SUPPORT
1800 2022 434
mitronsupport@dorsetindia.com

डोरसेट मित्रों ऐप डाउनलोड करने के लिए स्कैन करें

मित्रों वीडियो देखने के लिए स्कैन करें

हमें फॉलो करें:

Dorset India

विश्वकर्मीय लोहार सेवा संघ की ओर से आयोजन

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भव्य महिला सम्मेलन संपन्न

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विश्वकर्मीय लोहार सेवा संघ, मुंबई की ओर से मुंबई उपनगर के चुनाभट्टी स्थित साई बाबा मंदिर के सामने खुले व्यासपीठ मैदान में भव्य महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान श्री विश्वकर्मा व महान शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर दीप प्रज्वलन के साथ की गई।

इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में सूचना अधिकारी अनिल गलगली, नगरसेविका रानी येरूणकर, शासकीय अधिकारी वर्षा फडके, संस्था के अध्यक्ष सुहास चरकरी, उपाध्यक्ष प्रवीण कातालकर, कोषाध्यक्ष निधि कोळंबकर, नितीन पानवलकर, पूर्व अध्यक्ष राजाराम कातालकर, पूर्व सचिव चंद्रशेखर कातालकर, संजय कोळंबेकर सहित अनेक वर्तमान व पूर्व पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सदस्य तथा लोहार समाज के महिला-पुरुष बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित मान्यवरों ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए महिला आर्थिक नीतियों, लघु उद्योग शुरू करने के लिए उपलब्ध सरकारी अनुदान एवं विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। संस्था के सदस्य प्रदीप चांदोरकर ने भी समाज की महिलाओं को प्रेरणादायक मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस सम्मेलन के माध्यम से समाज में लघु उद्योग संचालित करने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम का सफल आयोजन समिति प्रमुख कविता प्रेम चरकरी, जानवी चरकरी एवं निधि कोळंबकर के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्था के सचिव नितीन पानवलकर ने किया, जबकि कविता प्रेम चरकरी ने महिला दिवस की संकल्पना को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। यह भव्य महिला सम्मेलन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और समाज में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रेरणादायक साबित हुआ।

समुदाय को एकजुट करने में सहायक

विश्वकर्मा रिपोर्टर पत्रिका का विमोचन

यह पत्रिका हर घर में एक सम्मानजनक स्थान बनाएगी

जम्मू। श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर, न्यू प्लॉट्स ने अपनी सामुदायिक पत्रिका विश्वकर्मा रिपोर्टर का विमोचन विश्वकर्मा मंदिर परिसर, मुठी, जम्मू में किया गया। इस पत्रिका का विमोचन लाइब्रेरी के संयोजक रमेश अंगोत्रा और अध्यक्ष मंगल दास वर्मा ने श्री गिरधारी लाल कटारिया, शिव दयाल और सुभाष चंद्र जैसे वरिष्ठ सदस्यों की उपस्थिति में किया।

लाइब्रेरी के संयोजक रमेश अंगोत्रा ने बताया कि यह पत्रिका सामाजिक बुराइयों को दूर करने, युवाओं को शिक्षा के लिए प्रेरित करने और जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के सभी हिस्सों में आम लोगों के बीच जागरूकता लाने में एक बड़ी भूमिका निभा रही है। इसमें विश्वकर्मा समुदाय के पिछले एक वर्ष का इतिहास शामिल है। उन्होंने कहा कि सामुदायिक पत्रिका का प्रकाशन एक कठिन कार्य है और जिन लोगों ने इसे संकलित किया है, वे प्रशंसा के पात्र हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के प्रकाशन समुदाय को एकजुट करने में बहुत सहायक होते हैं। ये पत्रिकाएँ पंक्ति में खड़े सबसे अंतिम व्यक्ति तक भी जानकारी पहुँचाती हैं। पत्रिका के मुख्य संपादक बलवंत कटारिया ने विस्तार से बताया कि इसके मुख्य पृष्ठ (कवर पेज) पर रानी दिद्दा का चित्र है, जो सं 980 से 1003 ईस्वी तक कश्मीर की रानी थीं। इसमें शामिल एक और विषय प्रसिद्ध मूर्तिकार राम वी. सुतार का दुखद निधन है, वे सरदार वल्लभभाई पटेल की दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के वास्तुकार थे। इस संकलन में हर किसी के लिए कुछ न कुछ है। इसमें कलाकारों, लेखकों, कवियों, छात्रों, बच्चों, गायकों, अभिनेताओं, महिलाओं, साक्षर और निरक्षर लोगों, कारीगरों, बढ़इयों, उद्यमियों, व्यापारियों आदि को आगे बढ़ाने और प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी समुदाय में पढ़ने और लिखने की प्रवृत्ति उसके सर्वांगीण विकास की ओर ले जाती है।

तरसेम लाल वर्मा ने कहा कि पत्रिका बनाना भले ही आसान लगे, लेकिन इसके निर्माण के लिए समर्पण और कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। उन्होंने आगे बताया कि जम्मू-कश्मीर के दूरदराज के कोनों में रहने वाले लोगों तक भी यह पत्रिका पहुँची है, जिससे जम्मू-कश्मीर में समुदाय के पूर्ण एकीकरण का लक्ष्य प्राप्त करने में मदद मिली है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पत्रिका हर घर में एक सम्मानजनक स्थान बनाएगी और पढ़ने वालों के लिए आनंद का स्रोत साबित होगी। इस कार्यक्रम में विश्वकर्मा मंदिर मुठी से जुड़े सामाजिक लीडर स्व. हरी चाँद सलगोत्रा की जीवनी के पर्चे वांटे भी गए। इस मौके पर ओम कटारिया, राजिंदर कुमार, तरसेम लाल वर्मा (व्याख्याता), पुरषोतम चरगोत्रा (मिश्रीवाला से पूर्व अध्यक्ष), रमन चलोत्रा (पूर्व अध्यक्ष युवा विंग), जिया लाल वर्मा, दर्शन सिंह (अध्यक्ष प्रचार समिति), राम पाल चरगोत्रा (डिगियाना इकाई से), मोहिंदर लाल (प्रधान न्यू प्लॉट इकाई), मास्टर कुलदीप मल्होत्रा, करतार चंद गांधी, पलौरा से कैप्टन लाल चंद, धर्म पाल कटारिया, मास्टर परवीन सरोच,प्रसिद्ध डोगरी कवयित्री नीलम महोत्रा आदि सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

आउटलेट मॉल में होंगे 150 से अधिक ब्रांड्स

वैल्यू रिटेल को नई दिशा देगा आउटलेट मॉल ऑफ इंडिया

मुंबई। ताज लैंड्स एंड, बांद्रा में आउटलेट मॉल ऑफ इंडिया का भव्य अनावरण किया गया। मीडिया, इन्फ्लुएंसर और उद्योग जगत की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यक्रम ने महाराष्ट्र के रिटेल सेक्टर में एक नए अध्याय की शुरूआत का संकेत दिया।

भिवंडी स्थित भूमि वर्ल्ड में विकसित हो रहा यह प्रोजेक्ट राज्य का पहला और सबसे बड़ा समर्पित आउटलेट मॉल होगा। इस मॉल में 150 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स अपने आउटलेट शुरू करने जा रहे हैं। यहां लागू किया जा रहा 365 दिन डिस्काउंट मॉडल ग्राहकों को पूरे वर्ष 50 से 70

प्रतिशत तक की छूट प्रदान करेगा, जो इसे पारंपरिक रिटेल मॉडल से अलग बनाता है।

कार्यक्रम के दौरान भूमि वर्ल्ड के संस्थापक व प्रबंध निदेशक प्रकाश पटेल ने अपने विजन को साझा करते हुए कहा कि यह प्रोजेक्ट केवल एक शॉपिंग सेंटर नहीं, बल्कि एक अनुभव-आधारित रिटेल डेस्टिनेशन है, जो भारत में वैल्यू रिटेल के नए मानक स्थापित करेगा। उन्होंने बताया कि विदेशों के आउटलेट मॉल्स से प्रेरित होकर इस विचार को विकसित किया गया और एमएमआर क्षेत्र, विशेष रूप से भिवंडी को इसकी लोकेशन के लिए चुना गया।

उन्होंने कहा कि मेट्रो शहरों में अधिक प्रॉपर्टी लागत के कारण ब्रांड्स के लिए बड़े स्तर पर डिस्काउंट देना कठिन होता है, जबकि भिवंडी में अपेक्षाकृत कम लागत के चलते यह मॉडल संभव हो पाया है। इससे ऐसे उपभोक्ताओं को भी लाभ मिलेगा, जो अब तक ब्रांडेड उत्पादों को उच्च कीमतों के कारण नहीं खरीद पाते थे। यह प्रोजेक्ट न केवल रिटेल अनुभव को नया रूप देगा, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित करेगा। मॉल में विकसित किए जा रहे आधुनिक एंटरटेनमेंट जोन, फूड कोर्ट और लाइफस्टाइल सुविधाएं इसे एक पूर्ण रिटेलटेनमेंट डेस्टिनेशन बनाएंगी, जहां उपभोक्ता खरीदारी के साथ-साथ मनोरंजन का भी आनंद ले सकेंगे।

इसके साथ ही, मॉल में विशाल पार्किंग सुविधा विकसित की जा रही है, जो इसे क्षेत्र की सबसे बड़ी और व्यवस्थित पार्किंग इंफ्रास्ट्रक्चर में से एक बनाती है। रणनीतिक रूप से मुंबई-नासिक हाईवे और समृद्धि महामार्ग से जुड़े इस प्रोजेक्ट से मुंबई, ठाणे, पुणे और नासिक के उपभोक्ताओं को आकर्षित करने की उम्मीद है। अनुमान है कि यह मॉल प्रतिदिन 35,000 से अधिक विजिटर्स को आकर्षित करेगा। आउटलेट मॉल ऑफ इंडिया को राज्य में रिटेल, मनोरंजन और रोजगार के उभरते केंद्र के रूप में देखा जा रहा है, जो आने वाले समय में क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगा।

जीवन को आनंद देने वाला मेला बनाएं, झमेला नहीं

बिजनौर। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर व विश्व विख्यात संत स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज ने आवास विकास में उपस्थित विशाल जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि मेले समृद्ध सांस्कृतिक विरासत व भारतीय लोक संस्कृति के प्रतीक हैं। मेला मिलाप शब्द का पर्याय है। जहां हम आपस में प्रेम, एकता, सद्भाव व सौहार्दपूर्ण वातावरण में बिना किसी भेदभाव के मिलते हैं। उन्होंने कहा कि मेले में जाकर आनंद आता है लेकिन यदि मेले में ठीक से चलना, बोलना व व्यवहार करना ना आए तो मेला कब झमेला बन जाता है पता भी नहीं चलता।

अधिकांश लोगों का जीवन भी आनंद देने वाला मेला नहीं बनकर झमेला ही बना हुआ है। उन्होंने कहा कि परिवार, नगर, राष्ट्र समाज में सब आपस में मिलकर एक हो जाएं संसार एक मेला है तथा मेले का अर्थ है मिलाप। मेले में जाकर तो आनंद आता है लेकिन यदि मेले में ठीक से चलना ना आया, बोलना ना आया, व्यवहार करना ना आया तो मेला झमेला बनते भी देर नहीं लगती। संसार रूपी मेले में भी अधिकांश लोगों के जीवन में आज वो आनंद उत्साह व उमंग दिखाई नहीं देती है। लगता है लोगों के लिए भी यह संसार रूपी मेला झमेला बन चुके हैं। विशेषता उनके लिए जिन्हें जीने की कला नहीं आती, क्योंकि जीना भी एक कला है।

महाराज ने कहा कि इस संसार के मेले में हम मिले तथा मिल कर एक हो जाएं परंतु शेर व हिरन या बकरी की भाँति नहीं क्योंकि शेर व बकरी मिलकर एक तो होते हैं परंतु वहां हिंसा को स्थान मिलता

है। गंधक व पोटाश मिलकर एक होते हैं पर वहां विस्फोट होता है। घी व शहद मिलकर एक होते है पर विष पैदा होता है। कौरव पांडव भी कितनी बार मिले परंतु कोई ना कोई झगड़ा विवाद अशांति ही पैदा हुई। ऐसा मिलना जिस मिलने पर कलह, क्लेश, विवाद, अशांति, वैमनस्य, द्वेष, घृणा, हिंसा इत्यादि जन्म ले ले ऐसा मिलना अच्छा नहीं, ऐसे मिलने से तो ना मिलना कहीं श्रेष्ठ है। मिलना हो तो मिलकर एक हो जाएं गंगा व यमुना की भाति गंगा भी पवित्र तथा यमुना भी पवित्र तथा जब दो पवित्र आत्मा आपस में मिलकर एक होती हैं तो उनका जीवन पहले से भी हो कहीं अधिक पवित्र व महान हो जाता है। जैसा कि गंगा व यमुना के मिलने पर तीर्थराज प्रयाग को महान गरिमामय स्थान प्राप्त होता है।

अपने दिव्य प्रवचनों में उन्होंने चार प्रयागराजों का वर्णन किया। पहला प्रयागराज जो इलाहाबाद में है, दूसरा सत्संग रूपी तीर्थराज जहां राम भक्ति रूपी गंगा ब्रह्म का विचार व प्रचार रूपी सरस्वती विधि निषेधात्मक बोध रुपी सूर्य तनया यमुना बहती दिखाई है। जिसमें स्नान का तुरंत फल देता है। तीसरा भक्त रूपी तीर्थराज प्रयाग तथा चौथा प्रभु के चरणार बिन्द रुपी प्रयागराज का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि या तो गंगा व यमुना की भाँति मिलकर के एक हो जाओ अन्यथा राम व भरत, भक्त व भगवान की भाँति आपस में मिलकर एक हो जाओ।

अपने धारा प्रवाह प्रवचनों से उन्होंने सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध व भाव विभोर कर दिया। सारा वातावरण भक्ति मय में हो उठा। गुरु महाराज कामां के कन्हैया व लाठी भैया की जय जयकार से गूंज उठा। यहां पहुँचने से पूर्व भैसा, शिवाला कला, नूरपुर, नजीबाबाद व निकटवर्ती अनेक गावों में भी हजारों श्रद्धालुओं ने भव्य स्वागत किया।

जायका इंडिया का

आलू-बैंगन का मद्रा

आलू-बैंगन का मद्रा हिमाचल प्रदेश का एक पारंपरिक व्यंजन है। यह खास तौर पर अपनी दही मिश्रित गाढ़ी और मसालेदार ग्रेवी के लिए जाना जाता है। इसे चावल या रोटी अथवा दोनों के साथ परोसा जा सकता है।

बनाने की सामग्री- 1 बड़ा बैंगन (छोटे टुकड़ों में कटा हुआ), 3 आलू (छोटे टुकड़ों में कटे हुए), 2 प्याज (बारीक कटे हुए), 2 इंच अदरक, 5 लहसुन की कलियां, 3 हरी मिर्च, 2 टमाटर (बारीक कटे हुए), 1 कटोरी दही (अच्छी तरह फेंटी हुई), सरसों का तेल (तलने के लिए), 2 बड़े चम्मच बटर, हरा धनिया।

मसाले - जीरा, कुटा हुआ मेथी दाना, कुटा हुआ धनिया, 2 तेज पत्ते, हल्दी पाउडर, गरम मसाला, हींग और नमक

बनाने की विधि - सबसे पहले कड़ाही में सरसों का तेल गरम करें। आलू और बैंगन को अलग-अलग सुनहरा होने तक तलकर उन्हें एक बर्तन में निकालकर रख दीजिए। अब उसी कड़ाही में थोड़ा-सा तेल डालें। गरम तेल में तेजपत्ता, जीरा, कुटा हुआ धनिया, मेथी दाना और हींग डालकर हल्का सुनहरा होने तक भून लीजिए। इसके बाद बारीक कटा प्याज डालें और इसे भी सुनहरा होने तक पकाएं। फिर कुटी हुई अदरक, लहसुन और हरी मिर्च मिलाकर खुशबू आने तक भून लीजिए। अब इसमें हल्दी और नमक डालें, फिर कटे हुए टमाटर डालकर ढक दें और 4-5 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। जब मसाला अच्छी तरह पक जाए, तब फेंटी हुई दही डालें और लगातार चलाते रहें ताकि दही फटे नहीं। उबाल आने पर बटर और गरम मसाला मिलाएं। अंत में तले हुए आलू व बैंगन डालें, दो कटोरी पानी मिलाकर ढक दें और 4-5 मिनट धीमी आंच पर पकाएं। हरे धनिये से सजाकर गरमा गरम परोसें।

काजू पनीर मसाला

बनाने की सामग्री - 250 ग्राम पनीर, 25 काजू, 2 प्याज, 2 टमाटर, 2 बड़े चम्मच दही, 2 चम्मच क्रीम, 1 चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 2 हरी मिर्च, आधा कप घी, आधा चम्मच हल्दी पाउडर, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा चम्मच धनिया पाउडर, स्वादानुसार नमक, आधा छोटा चम्मच गरम मसाला, 2 चम्मच कसूरी मेथी।

बनाने की विधि - काजू को गर्म पानी में 15 मिनट तक भिगोकर रख दें, ताकि आसानी से पीसा जा सके। अब थोड़े से घी या तेल में पनीर के टुकड़ों को हल्का सुनहरा होने तक सेक लें। एक पैन में घी गर्म करें। जब घी गर्म हो जाए तो कटी हुई प्याज को डालकर हल्का ब्राउन होने तक भून ले। फिर इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें और लगातार चलाते हुए टमाटर डाल दें। ग्रेवी बनाने के बाद इसमें मसाले जैसे हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डालकर कुछ देर तक पकाएं, जब मसाले पक जाएं, तो इसमें काजू का पेस्ट डालकर हल्की आंच पर पकने दें। अब इसमें दही और भुना हुआ पनीर डालकर कुछ देर पकाएं, पकाने के बाद गरम मसाला, कसूरी मेथी और क्रीम मिलाकर लगभग 5 मिनट तक पकने दें। ऊपर से कसूरी मेथी और हरा धनिया डालें, गरमा-गरम रोटी या पराठे के साथ सर्व करें।

सेहत

बेहतर स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद जरुरी

भारतीय लेते हैं सिर्फ 6 घंटे 28 मिनट की नींद

मुंबई। स्मार्ट रिंग बनाने वाली कंपनी औउरा ने भारतीयों को नींद की आदतों पर एक रिपोर्ट पेश की है, जिसके मुताबिक नींद की गलत आदतों के कारण भारतीयों की आँखों की पुतलियों की तेज हलचल और नींद कम हो रही है और वे गहरी नींद से वंचित हो रहे हैं। भारत दुनिया के उन देशों में शामिल हैं जहां लोग सबसे कम सोते हैं। भारतीय औसतन हर रात केवल 6 घंटे 28 मिनट की नींद लेते हैं, जो कि सबसे अधिक सोने वाले देशों की तुलना में लगभग 40 मिनट कम है। एक स्वस्थ वयस्क के 7 से 9 घंटे की नींद लेनी चाहिए। लेकिन देर रात की मीटिंग और सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने की आदतों के कारण भारतीयों को पर्याप्त नींद नहीं मिल पा रही है। इसका सीधा असर आपकी नींद पर हो रहा है, जो हर हफ्ते एक घंटे से भी अधिक कम हो रही है। भारतीय औसत रात 12. 14 बजे सोते हैं और सुबह 7. 43 बजे उठ जाते हैं, जिससे उनकी नींद का कुल समय कम हो जाता है।

औउरा के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर डग स्विनी ने औउरा स्मार्ट रिंग के लांचिंग अवसर पर कहा कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद अनिवार्य

है, लेकिन भारतीयों की व्यस्त और तेज जीवनशैली उनकी नींद में खलल डाल रही है। नींद की कमी के कारण अधिकांश भारतीय सुबह उठने पर खुद को तरोताजा महसूस नहीं करते। आंखों की पुतलियों की तेज हलचल भावनाओं को संतुलित करने, याददाश्त सुधारने और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक है। हमने यह रिपोर्ट यह समझाने के लिए तैयार की है की भारतीयों की जीवनशैली में सुधार लाने के लिए औउरा किस प्रकार सहायक हो सकती है।

काम के साथ में आनंद से जीने के 7 सूत्र

लंबी और स्वस्थ उम्र का राज अपने काम के साथ आनंद से जीने में है। यह सीख जापान के विश्व प्रसिद्ध डॉक्टर शिगेकी हिनोहारा ने उनके क्लीनिक आने वाले लाखों मरीजों को दी। उन्होंने खुद 105 वर्ष की आयु तक सक्रिय जीवन जिया। बढ़ती उम्र में सार्थक जिंदगी के जरूरी सूत्र जानिए।

- **आपको युवा रखेंगी ये बातें**

1. पूरी तरह रिटायर न हों, व्यस्त रहें।
2. भूख से 80% ही पेट भरें।
3. रोज चलें, सीढ़ियां चढ़ें।
4. स्वास्थ्य को लेकर जुनूनी न बनें।
5. हर दिन का उद्देश्य तय करें।
6. बिना अपेक्षा दूसरों की मदद करें।
7. जीवन का आनंद लें। यही स्वस्थ जीवन की सबसे बड़ी दवा है।

- **संतुलित भोजन करें** -

हिनोहारा अपनी डाइट में हारा हाची बु का पालन करते थे। यानी भूख से 20% कम खाना। उनका मानना था कि अत्यधिक भोजन शरीर पर अनावश्यक दबाव डालता है।

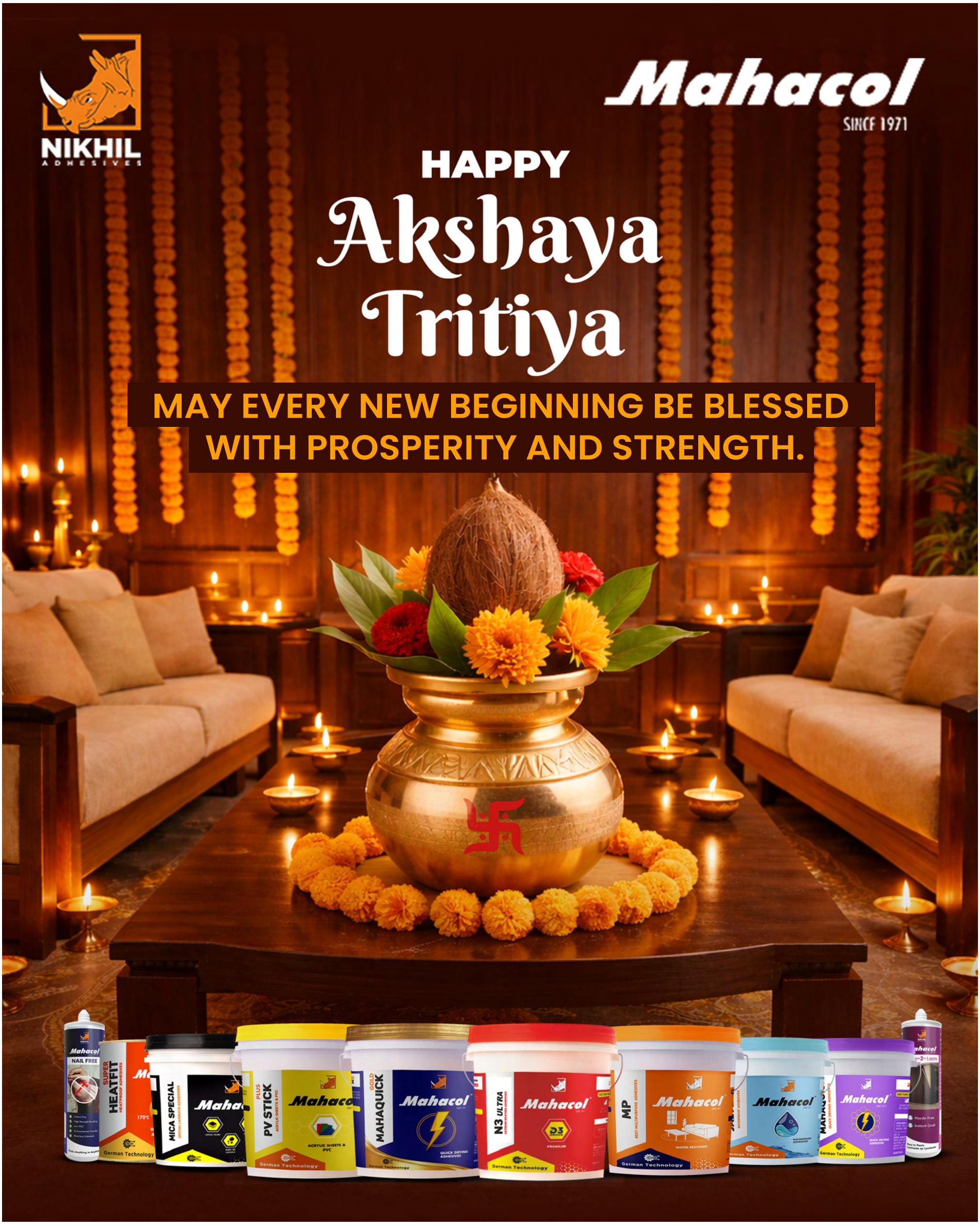
NIKHIL
ADHESIVES
Mahacol
SINCE 1971
HAPPY
Akshaya
Tritiya
MAY EVERY NEW BEGINNING BE BLESSED
WITH PROSPERITY AND STRENGTH.
NAIL FREE
SUPER HEATFIT
MICA SPECIAL
PV STICK
ACRYLIC SHEETS & PVC
MAHAQUICK
QUICK DRYING ADHESIVES
N3 ULTRA
PREMIUM
MP
WATER RESISTANT
German Technology

स्पाइडर मेटल : विरासती कारीगरी से भरोसेमंद प्रीमियम सिक्योरिटी ब्रांड तक का सफर

स्पाइडर मेटल प्रोडक्ट्स प्रा. लि. के कार्यकारी निदेशक श्री अनिल भारद्वाज का मानना है कि गुणवत्ता, भरोसा और विश्वसनीयता के बलबूते स्पाइडर ब्रांड उत्कृष्टता प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। कारपेंटर्स न्यूज के साथ विशेष बातचीत के दौरान मुझे यह स्पष्ट रूप से महसूस हुआ कि स्पाइडर एक पारंपरिक ढांचे से आगे बढ़ते हुए खुद को एक भविष्य के लिए तैयार, पेशेवर रूप से संचालित संगठन में परिवर्तित कर रहा है। विशेष रूप से उनकी स्पष्ट सोच, सशक्त नेतृत्व दृष्टिकोण, सुव्यवस्थित यूएसपी व परिवर्तन के प्रमुख आधार सिस्टम्स, प्रक्रियाएं, लोग और बाजार-उन्मुख नवाचार ने मुझे गहराई से प्रभावित किया।

श्री अनिल भारद्वाज
कार्यकारी निदेशक

मेरे लिए सबसे खुशी की बात यह है कि हमें एक पुराने और मजबूत व्यवसाय को एक आधुनिक और प्रोफेशनल कंपनी में बदलने का मौका मिल रहा है। हमारे संस्थापक श्री आर. के. अग्रवाल ने पिछले 40 सालों से स्पाइडर ब्रांड को मेहनत और गुणवत्ता के साथ खड़ा किया है। उनका हमेशा एक ही उद्देश्य रहा है, ग्राहकों को अच्छी क्वालिटी के सुरक्षित उत्पाद सही कीमत पर देना।

इसी सोच के साथ उन्होंने अलीगढ़ में आधुनिक मशीनों से सुसज्जित फैक्ट्री बनाई, जिससे हमारी कंपनी की नींव मजबूत हुई – गुणवत्ता, भरोसा और विश्वसनीयता के साथ।

आज स्पाइडर ने दक्षिण भारत में अच्छा भरोसा बना लिया है और पूर्वी अफ्रीका और एशिया के कुछ बाजारों में भी अपनी पहचान बना चुका है। यह हमारे लिए एक मजबूत शुरूआत है।

अब हमारा लक्ष्य और बड़ा है – हम पूरे भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत, भरोसेमंद और किफायती सुरक्षा उत्पाद ब्रांड बनना चाहते हैं।

यह सिर्फ बिजनेस बढ़ाना नहीं है, बल्कि पूरी कंपनी को बेहतर बनाने की एक यात्रा है।

'स्पाइडर मेटल का अगला कदम सुधार, 'मेक इन इंडिया', सर्वोत्तम क्वालिटी और पार्टनर्स के साथ मिलकर आगे बढ़ने पर आधारित है। हम सिर्फ बिजनेस नहीं, बल्कि एक मजबूत संस्था बना रहे हैं।'
श्री राजकुमार अग्रवाल,
संस्थापक/ प्रबंध निदेशक

चैनल पार्टनर्स के लिए संदेश

मेरा संदेश बहुत सरल है:

यह स्पाइडर मेटल के साथ जुड़ने और आगे बढ़ने का सही समय है।

हम एक नए दौर में जा रहे हैं, जहाँ हम बेहतर सिस्टम, नए प्रोडक्ट और बड़े बाजार पर काम करेंगे।

हमारी पुरानी पहचान मजबूत है, लेकिन हमारा भविष्य उन पार्टनर्स के साथ बनेगा जो आगे बढ़ना चाहते हैं।

हम आपको आमंत्रित करते हैं कि हमारे साथ जुड़ें और एक मजबूत और भरोसेमंद नेटवर्क बनाएं।

हम सिर्फ प्रोडक्ट नहीं बेचेंगे – हम विश्वास और सुरक्षा बनाएंगे।

हमारा लक्ष्य

हम स्पाइडर मेटल को एक व्यवस्थित, नियमों पर चलने वाली और प्रोफेशनल कंपनी बनाना चाहते हैं। हम इन मुख्य क्षेत्रों पर काम कर रहे हैं:

- बेहतर उत्पादन (मैन्युफैक्चरिंग)
- मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन चैनल
- सप्लाई चेन को तेज और बेहतर बनाना
- ब्रांड को मजबूत करना
- कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाना
- नए बाजारों में विस्तार करना

हम चाहते हैं कि स्पाइडर मेटल सुरक्षा उत्पादों के क्षेत्र में एक भरोसेमंद नाम बने- जहाँ क्वालिटी, किफायत और विश्वास हो।

मेक इन इंडिया हमारी ताकत

'मेक इन इंडिया' हमारे लिए सिर्फ एक नारा नहीं है, बल्कि हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

हम अलीगढ़ की अपनी फैक्ट्री को और मजबूत बना रहे हैं, ताकि हम भारत में ही अच्छे और आधुनिक सुरक्षा उत्पाद बना सकें।

हम इन चीजों पर ध्यान दे रहे हैं-

- नई और आधुनिक मशीनें
- सख्त गुणवत्ता जांच
- नए उत्पादों का विकास
- काम को आसान और तेज बनाने के लिए ऑटोमेशन

हमारा लक्ष्य है कि हम अच्छे और सुरक्षित उत्पाद सही कीमत पर देते रहें।

हमारे चैनल पार्टनर्स के लिए प्रतिबद्धता

हमारे चैनल पार्टनर्स सिर्फ डिस्ट्रीब्यूटर नहीं हैं, बल्कि हमारे बिजनेस पार्टनर हैं। हम उनके लिए बेहतर योजनाएं बना रहे हैं, जैसे:

- बेहतर मुनाफा (मार्जिन)
- साफ और पारदर्शी नीतियाँ
- आकर्षक इंसेंटिव योजनाएं
- नए क्षेत्रों में काम करने के अवसर
- तेज डिलीवरी और बेहतर सर्विस
- ब्रांडिंग और दुकान पर सपोर्ट
- प्रीमियम उत्पादों की सुविधा
- डिजिटल ऑर्डर और बिजनेस टूल्स

हम चाहते हैं कि हमारे साथ जुड़ा हर पार्टनर आगे बढ़े और अच्छा मुनाफा कमाए।

स्पाइडर मेटल फॅक्टरी

प्रस्तुति – गंगाराम विश्वकर्मा

HARRISON®
Glorious 75+ Years

SUVIDHA SCHEME OFFER !!

बनो हरीसन का
Mr. आनंद
रहो हमेशा आनंद में

कारपेंटर
आकर्षक स्कीम
आज ही
रजिस्टर्ड
करें और पाएं मौका अनेको
उपहार
जितने का

नॉटः- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि।

टोल फ्री नम्बर : 1-800-572-5795

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
www.harrisonlocks.com | email : Info@harrisonlocks.com
9599281937

HARRISON®
Glorious 75+ Years

कारपेंटर भाइयों के लिए खुशखबरी

हरीसन के साथ काम करें, हर प्रोडक्ट पर QR स्कैन करें और आकर्षक इनाम पाएं

बनो हरीसन का
Mr. आनंद
रहो हमेशा आनंद में

आपकी मेहनत के लिए, नया सहारा
कारपेंटर भाइयों के लिए नई सौगातें!

Harrison चुनो, Winner बनो!

बाइक विजेता

Harrison Rewards Scheme ने हमारे मेहनती कारपेंटर साथियों को आगे बढ़ने का शानदार मौका दिया। सभी प्रतिभागियों ने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ स्कीम में भाग लिया, जिसके बदले कंपनी ने उन्हें मोबाइल फोन और बाइक जैसे आकर्षक इनाम देकर सम्मानित किया। यह इनाम उनके बेहतरीन काम, समय पर प्रोजेक्ट पूरा करने और Harrison ब्रांड पर भरोसे का नतीजा है। उनकी जीत यह साबित करती है कि जो कारपेंटर लगन से काम करता है और स्कीम में सक्रिय रहता है, वह अपनी किस्मत बदल सकता है। अब बहुत जल्द Harrison की नई Rewards Scheme शुरू होने वाली है, जिसमें हर कारपेंटर भाग ले सकता है। पंजीकरण करें, Harrison के प्रोडक्ट इस्तेमाल करें और एक्टिव रहें। Harrison का मकसद सिर्फ प्रोडक्ट बेचना नहीं, बल्कि हर कारपेंटर को पहचान, सम्मान और बेहतर भविष्य देना है।

फ़ोन विजेता

फ़ोन विजेता

हरीसन प्रोडक्ट पॉइंट अर्जित करने का तरीका किया और भी आसान

मात्र क्यू आर कॉड को स्कैन करने पर पाए उपहार

हरीसन का नया QR स्कैनिंग फीचर – कारपेंटर्स के लिए आसान इनाम!

देश के भरोसेमंद ब्रांड हरीसन ने कारपेंटर्स के लिए QR स्कैनिंग फीचर लॉन्च किया है, जिससे उपहार जीतना अब और भी आसान हो गया है।

कारपेंटर्स को हरीसन प्रोडक्ट की पैकिंग में दिए गए QR कोड को स्कैन करना है, और उनके रजिस्टर्ड प्रोफाइल पर पॉइंट्स अपने आप जुड़ जाएंगे। अब प्रोडक्ट की कट्टिंग संभालने की जरूरत नहीं, बस स्कैन करें और इनाम पाएं।

यह पहल कारपेंटर्स की सहूलियत और प्रोत्साहन के लिए की गई है। हरीसन हमेशा अपने कारीगरों के साथ खड़ा है!

उपहार जीतने की प्रक्रिया

स्टेप 1 — मोबाइल मे हरीसन सुविधा एप्लीकेशन डाउनलोड करे, और अपनी ID बनाकर लॉगिन करे।

स्टेप 2 — प्रोडक्ट पैक के अंदर लगे QR CODE को सुविधा एप्लीकेशन मे स्कैन करे और MRP के बराबर पॉइंट इकट्ठा करे।

स्टेप 3 — दिये गये 7 उपहार के आधार पर अपने पॉइंट REDEEM करे, और उपहार जीते

Suvidha
iSoftCare Technology

प्ले स्टोर पर (HARRISON SUVIDHA APP) सर्च कर के हरीसन लोगो एप्लीकेशन अपने फ़ोन मे इनस्टॉल करे।

विश्व के विभिन्न देशों से पधारे 300 संत

अक्षरधाम में नीलकंठ वर्णी मूर्ति का प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न

नई दिल्ली। विश्व प्रसिद्ध स्वामिनारायण अक्षरधाम में नीलकंठ वर्णी की 108 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा का प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न हुआ। भगवान स्वामिनारायण के बाल तपस्वी स्वरूप का प्रतिनिधित्व करती यह प्रतिमा नीलकंठ वर्णी को एक चरण पर गहन ध्यानमग्न मुद्रा में दशार्ती है। बाल स्वरूप में चार मास तक निर्जल और निरन्न रहकर पुलहाश्रम में किए गए तप की यह प्रतिमूर्ति है । मात्र 11 वर्ष की आयु में आरम्भ हुए सम्पूर्ण भारत में किए गए प्रभु नीलकंठ की सात वर्षीय कल्याण यात्रा का यहाँ निदर्शन है।

यह मूर्ति प्रतिष्ठा महोत्सव परम पूज्य महंत स्वामी महाराज के मार्गदर्शन व पावन सान्निध्य में अत्यंत श्रद्धा और भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। वैदिक विधियों और अनुष्ठानों में विश्व भर से आए हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। प्रातःकाल से ही श्रद्धालुओं की विशाल संख्या अक्षरधाम परिसर में उमड़ पड़ी थी। पुरुष, महिलाएं और बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में श्रद्धा और उत्साह से ओतप्रोत होकर उपस्थित हुए। सम्पूर्ण परिसर भजनों, वैदिक मंत्रोच्चार और सामूहिक प्रार्थनाओं से गुंजायमान हो उठा।

प्रातः 6 बजे नीलकंठ वर्णी की प्रतिष्ठा के पावन अनुष्ठानों का शुभारम्भ हुआ। यह समारोह प्राचीन वैदिक परंपराओं के अनुसार पूर्ण श्रद्धा और पवित्रता के साथ सम्पन्न हुआ। भारत एवं विश्व के विभिन्न देशों से पधारे लगभग 300 संतों ने इस अवसर को अपनी दिव्य उपस्थिति से पवित्र बनाया। उनकी साधना और अनुशासित सहभागिता ने पूरे आयोजन की गरिमा को बढ़ाया। श्रद्धालु भक्त भावविभोर होकर इस दिव्य अनुष्ठान के साक्षी बने। वातावरण में पुष्पों और धूप की सुगंध व्याप्त थी, जो हर क्षण को आध्यात्मिक अनुभूति से परिपूर्ण कर रही थी।

25 और 26 मार्च को आयोजित इस महोत्सव में विविध धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए, जिनमें यज्ञ, सभा और मूर्ति प्रतिष्ठा समारोह प्रमुख रहे। 25 मार्च को परम पूज्य महंत स्वामी महाराज की उपस्थिति में विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्वेत कबूतरों को गगनगामी कर वर्तमान में चल रहे खाड़ी युद्ध के विराम के लिए शांति प्रार्थना की गई।

26 मार्च को मुख्य प्रतिष्ठा समारोह सम्पन्न हुआ, जिसमें महंतस्वामी महाराज द्वारा 108 फीट की ऊँचाई पर वैदिक विधि सम्पन्न की गई। महंतस्वामी महाराज की पावन उपस्थिति ने पूरे आयोजन को दिव्यता से भर दिया। श्रद्धालुओं ने उनके आशीर्वाद और मार्गदर्शन का लाभ प्राप्त किया। प्रतिष्ठा के बाद अपने आशीर्वचनों में महंत स्वामी महाराज ने कहा कि यह सबसे सुंदर मूर्ति है। यह सम्पूर्ण विश्व में शांति का प्रसार करेगी। जो भी यहाँ नीलकंठ वर्णी के दर्शन करने आएगा, वह सद्गुणों की प्रेरणा पाएगा और कल्याण को प्राप्त करेगा। यह मूर्ति श्रद्धालुओं की भावनाओं और शुभ मनोकामनाओं को भी पूर्ण करेगी।

यह समारोह संतों, स्वयंसेवकों और श्रद्धालुओं के समर्पित सेवा भाव से अत्यंत व्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुआ। विशाल जनसमूह के प्रबंधन से लेकर अनुष्ठानों और आतिथ्य व्यवस्था तक, हजारों सेवकों ने निस्वार्थ भाव से योगदान दिया। इस मूर्ति प्रतिष्ठा के साथ स्वामिनारायण अक्षरधाम, नई दिल्ली ने एक वैश्विक आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक केंद्र के रूप में अपनी भूमिका को और सुदृढ़ किया है। नीलकंठ वर्णी की यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को शांति, अनुशासन, भक्ति और उच्च जीवन मूल्यों की प्रेरणा देते रहेगी।

वैराग्य और आध्यात्मिक जागृति का प्रतीक

108 फीट ऊँची यह प्रतिमा श्रद्धा, संयम और आध्यात्मिक साधना का सशक्त प्रतीक है। नीलकंठ वर्णी का बाल्यावस्था में सम्पूर्ण भारत में किया गया तपस्वी प्रवास आज भी लाखों लोगों को त्याग, निर्भयता और भक्ति के आदर्शों के प्रति प्रेरित करता है। यह प्रतिमा इन शाश्वत मूल्यों की प्रेरणादायी प्रतीक है।

हनुमान जी के अनुरोध पर श्री कृष्ण ने सुनाया गीता का सार

हनुमान जी को भगवान शिव का रूद्र अवतार माना जाता है, जिन्होंने वानर रूप में धरती पर जन्म लिया। हनुमान जयंती पर भगवान हनुमान के जन्मोत्सव के साथ उनके चिरंजीवी स्वरूप का स्मरण किया जाता है। हनुमान जी ने अपना पूरा जीवन भगवान श्रीराम की सेवा में समर्पित कर दिया, इसलिए उन्हें रामभक्तों में सबसे श्रेष्ठ माना जाता है। भगवान हनुमान का उल्लेख सिर्फ रामायण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि महाभारत में भी उनका जिक्र मिलता है।

भीम का तोड़ा था घमंड

द्वापर युग में भीम और हनुमान जी की मुलाकात एक दिलचस्प घटना के रूप में बताई जाती है। महाभारत की कथा के अनुसार जब पांडव वनवास में थे, तब एक दिन द्रौपदी ने भीम से सौगंधिका फूल लाने की इच्छा जताई। द्रौपदी की बात मानकर भीम उस फूल की तलाश में जंगल की ओर निकल पड़े। रास्ते में उन्हें एक बूढ़ा वानर दिखाई दिया, जो अपनी पूंछ फैलाकर लेटा हुआ था। भीम ने उससे रास्ता देने को कहा, लेकिन वानर ने कमजोरी का हवाला देते हुए खुद पूंछ हटाने से मना कर दिया। उन्होंने भीम से ही अपनी पूंछ हटाने को कहा। भीम ने पूरी ताकत लगाकर पूंछ हटाने की कोशिश की, लेकिन वह जरा भी नहीं हिली। यह देखकर भीम को हैरानी हुई और उन्हें समझ आ गया कि यह कोई साधारण वानर नहीं हो सकता। इसके बाद भीम ने विनम्रता से उस वानर से उसका परिचय पूछा। तभी वह वानर अपने असली स्वरूप में प्रकट हुए, जो स्वयं हनुमान जी थे। हनुमान जी ने भीम को आशीर्वाद दिया और उनका घमंड भी दूर किया।

रामायण में अपनी वीरता दिखाने वाले हनुमान जी महाभारत काल में भी प्रकट हुए थे। कथा के अनुसार, पांडवों के वनवास के दौरान उनकी मुलाकात भीम से हुई थी। माना जाता है कि हनुमान जी चिरंजीवी हैं, यानी वे आज भी जीवित हैं। यही कारण है कि वे अलग-अलग युगों में दर्शन देते रहे हैं। त्रेता के राम भक्त ने द्वापर में भीम और अर्जुन का अहंकार तोड़कर धर्म स्थापना में मुख्य भूमिका निभाई थी।

महाभारत युद्ध से पहले, एक बार श्री कृष्ण ने हनुमान जी और अर्जुन दोनों को द्वारका नगर में बुलाया था। जब श्री कृष्ण ध्यान में लीन थे, तब अर्जुन और हनुमान जी महल के बाहर समुद्र तट पर उनके ध्यान से बाहर आने की प्रतीक्षा करने लगे। इसी बीच अर्जुन ने हनुमान जी से कहा कि वह विश्व के सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर हैं, जिसके बाद हनुमान जी समझ गए कि अर्जुन को अपने धनुर्विद्या पर घमंड हो गया है। अर्जुन ने भगवान श्रीराम का उपहास करते हुए यहां तक कह दिया कि पत्थर का पुल बनाना समय की बबार्दी है, राम जी को तो बाणों का पुल बनाना चाहिए था। भगवान के प्रति ये शब्द सुनकर हनुमान जी ने अर्जुन के सामने यह शर्त रखी कि वह बाणों का पुल बनाएं और यदि अर्जुन के पैर से वह पुल न टूटे तो वे यह स्वीकार कर लेंगे कि अर्जुन श्री राम से भी श्रेष्ठ धनुर्धर हैं और अपना शरीर अग्नि में जला देंगे। अर्जुन ने तीन बार बाणों का पुल बनाया और तीनों बार पुल टूट गया। पुल के टूटने से अर्जुन का अभिमान भी चकनाचूर हो गया।

इस घटना के बाद, श्री कृष्ण उन दोनों के सामने प्रकट हुए। एक ओर श्री कृष्ण ने अर्जुन को उनकी गलती का एहसास कराया, वहीं दूसरी ओर उन्होंने हनुमान जी से अर्जुन के रथ पर ध्वज के रूप में स्थापित होने का अनुरोध किया। हनुमान जी ने भगवान की बात मान ली, लेकिन एक शर्त रखी। शर्त यह थी कि जिस प्रकार उन्होंने राम अवतार में हनुमान जी को युद्ध के साथ-साथ ज्ञान भी दिया था, उसी प्रकार वे महाभारत युद्ध में भी ज्ञान का सार चाहते थे। ऐसा माना जाता है कि हनुमान जी के अनुरोध पर श्री कृष्ण ने गीता का सार सुनाया था। महाभारत युद्ध के दौरान, हनुमान जी अर्जुन के रथ पर ध्वज के रूप में विराजमान रहे। हनुमान जी ने अर्जुन और उनके रथ की रक्षा की थी।

सीता नहानी का है धार्मिक महत्व

छत्तीसगढ़ में राम वन गमन मार्ग चिन्हांकित किए गए हैं, लेकिन यहां का इतिहास वर्षों पुराना है। अनेक किंवदंतियों और नामकरण से प्रमाणिकता की पुष्टि भी होती है। राम वन गमन मार्ग का पड़ाव बस्तर के अनेक स्थानों पर देखी जाती है। कई स्थानों का नामकरण, शिलालेख और पुरातात्विक महत्व के स्थल आज भी पौराणिक काल के साक्षी के रूप में विद्यमान है। कहा जाता है कि दंतेवाड़ा से प्रभु श्रीराम तीरथगढ़ पहुंचे थे। जगदलपुर से 40 किमी दूर स्थित कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में प्रभु श्रीराम के प्रवास के संबंध में भी लोक कथाएं प्रचलित हैं। तीरथगढ़ में कांगेर नदी सघन वनों और दुर्गम घाटियों के बीच एक मनोरम जलप्रपात बनाती है। यहां कांगेर नदी का पानी 300 फीट नीचे एक कुंड में गिरता है। मान्यता है कि इस कुंड में माता सीता ने स्नान किया था, इसलिए इसे सीता नहानी के नाम से भी जाना जाता है।

Zubaan Ke पक्के Rewards

कारपेंटर भाइयो के लिए ऑफर

EURO 7000 Wood Adhesive

15 Rs/- टोकन / पाउच + 1 पॉइंट / पाउच

25 Rs/- टोकन / पाउच + 2 पॉइंट्स / पाउच

सिर्फ 210 Points पर पाइये

American Tourister Trolley Bag Worth ₹ 8,800/- अथवा Cutter Machine अथवा Drill Machine

American Tourister Trolley Bag worth Rs. 8,800/-

अथवा

अथवा

Cutter Machine Or Drill Machine

पाइए Duffle Bag worth ₹3,800/- सिर्फ 70 Points में।

पाइए Bag + Water Bottle worth ₹3,350/- सिर्फ 100 Points में।

पाइए Symphony Tower Fan worth ₹8,799/- सिर्फ 300 Points में।

SURROUND
- Bladeless Turbo Throw TM (BLTT) Technology
- Powerful 20ft Air Throw*
- Swivel Action for Surround Air
- Consumes 135 watts* only

100 POINTS REDEEM करो और पाओ

Noise Colorfit Pulse Grand 3 Smart Watch Worth Rs. 6,999/-

~~560~~

140 POINTS REDEEM करो और पाइए

REDMI POWER BANK 20,000 MAH WORTH RS. 3,199/-

स्कन करें और पाओ

Google Play | App Store

TERMS & CONDITIONS
* इस Offer का लाभ उठान क लिए "EURO7000 DIGITAL" Application Download करें और Points Scan करें।
* यह ऑफर Limited Time क लिए ह।
* कपनी इस स्कीम को कभी भी बदलन या बद करन का अधिकार रखती है।

www.euroadhesives.com

मेहरारू से केहू ना जीतल बा ने मचाई धूम

खेसारी लाल यादव अपने नए गाने मेहरारू से केहू ना जीतल बा के साथ धूम मचा रहे हैं। इस गाने में उनकी दमदार आवाज के साथ शिल्पी राज का शानदार साथ सुनने को मिलता है, जो इसे और भी खास बना देता है। गाने में देसी अंदाज, मजेदार लिरिक्स और जबरदस्त बीट्स का ऐसा तड़का लगाया गया है, जो सुनते ही लोगों को झूमने पर मजबूर कर देता है। वीडियो में डिंपल सिंह की एनर्जी और एक्सप्रेशंस गाने की जान बन गए हैं। रिलीज होते ही यह गाना सोशल मीडिया और यूट्यूब पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस के बीच खूब पसंद किया जा रहा है।

भोजपुरी गाना मेहरारू से केहू ना जीतल बा एक शानदार टीमवर्क का नतीजा है, जिसमें हर विभाग ने अपनी खास भूमिका निभाई है। इस गाने को खेसारी लाल यादव और शिल्पी राज ने अपनी दमदार आवाज से सजाया है, जबकि डिंपल सिंह ने अपने एक्सप्रेशंस और डांस से वीडियो में जान डाल दी है। गाने के बोल अखिलेश कश्यप ने लिखे हैं, जो देसी अंदाज और मजेदार टच के साथ श्रोताओं को जोड़ते हैं। म्यूजिक डायरेक्शन रौशन सिंह ने दिया है, वहीं कंपोजिशन आदर्श सिंह का है। वीडियो का निर्देशन और कोरियोग्राफी लक्की विश्वकर्मा ने संभाली है, जबकि प्रोडक्शन आकाश विश्वकर्मा के तहत हुआ है। इस प्रोजेक्ट को अन्नपूर्णा फिल्म्स के बैनर तले रिलीज किया गया है और इसका डिस्ट्रीब्यूशन ग्लोबल म्यूजिक जंक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया है। गाने को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है, जिसका अंदाजा सोशल मीडिया पर आ रहे कमेंट्स से साफ लगाया जा सकता है।

धुरंधर देख बौखलाया पाकिस्तान

आदित्य धर की धुरंधर फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया। कुछ ही हफ्तों में आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म ने सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। फिर 19 मार्च को फिल्म का दूसरा पार्ट आया जिसने और बड़ा धमाका किया। धुरंधर द रिवेंज सबसे तेजी से 100 करोड़ क्लब में एंट्री करने वाली फिल्म बन गई है।

धुरंधर की पूरी कहानी ल्यारी में बेस्ड थी। फिल्म में हमजा यानी कि रणवीर सिंह के किरदार को ल्यारी पर कब्जा करते दिखाया गया है। फिल्म के दूसरे पार्ट जिसका नाम ही धुरंधर द रिवेंज है, उसमें आदित्य धर दिखाते हैं कि स्पाई हमजा ल्यारी की तख्त पर अपना कब्जा जमा लेता है।

भारतीय फिल्मों को भले ही पाकिस्तानी ऑडियंस ने प्रोपेगेंडा के तौर पर नहीं देखा। फिल्म को एंटरटेनमेंट के तौर पर देखा गया और पसंद भी किया। लेकिन ल्यारी में हुई बमबारी की गूंज पाकिस्तान के पॉलिटिकल गलियारों में जरूर सुनाई दी।

अब पाकिस्तान ने भारतीय फिल्म धुरंधर का जवाब देने के लिए अपनी फिल्म हमारा ल्यारी का ऐलान किया है। इस फिल्म में मेकर्स ने ल्यारी की सच्चाई सामने पेश करने का दावा किया है। पाकिस्तानी मेकर्स का कहना था कि धुरंधर में ल्यारी की नेगेटिव इमेज पेश की गई है। अब वो अपनी फिल्म के जरिए इसे सुधारने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

युवा कलाकारों से सीख रही हैं नीना

फिल्म इंडस्ट्री में समय के साथ खुद को बदलते रहना और हर दिन नया सीखना बहुत जरूरी होता है। अभिनेत्री नीना गुप्ता का मानना है कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। नीना गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 'मैं इन दिनों एक सीरीज में युवा लड़कियों के साथ काम कर रही हूं और उनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिल रहा है।

आजकल का संगीत कैसा है, लोग किस तरह की भाषा बोलते हैं, फैशन में क्या चल रहा है और सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल कैसे किया जाता है ये सारी बातें मैं अपने साथ काम करने वाले युवा कलाकारों से सीख रही हूं। उन्होंने आगे कहा, 'कई ऐसी चीजें हैं, जिनके बारे में मुझे पहले ज्यादा जानकारी नहीं थी, लेकिन अब मैं धीरे-धीरे सब समझने लगी हूं। यह अनुभव मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि इससे मेरी सोच और समझ दोनों में बदलाव आ रहा है। नई पीढ़ी के लोगों के साथ काम करने से मुझे एक अलग नजरिया मिला है। इससे मुझे यह समझने में मदद मिल रही है कि आज के समय में लोग कैसे सोचते हैं और किस तरह से अपनी जिंदगी जीते हैं। उन्होंने कहा, 'अब मैं जानबूझकर युवा लोगों के बीच रहती हूं और सीखने की कोशिश करती हूं। मेरा मानना है कि अगर इंसान सीखना बंद कर देता है, तो वह पीछे रह जाता है। इसलिए मैं हर दिन कुछ नया सीखने की कोशिश करती हूं, चाहे वह छोटी चीज ही क्यों न हो।

डबल ट्रबल लव स्टोरी की झलक

बॉर्डर 2 में अपनी देशभक्ति वाली भूमिका के बाद, एक्टर वरुण धवन अपनी नई फिल्म है जवानी तो इश्क होना है के साथ एक बार फिर रोमांटिक-कॉमेडी जॉनर में वापसी कर रहे हैं। यह वही जॉनर है जिसके लिए उन्हें सबसे ज्यादा जाना जाता है।

हालांकि टीजर रिलीज होते ही इंटरनेट पर इसे लेकर ट्रोलिंग शुरू हो गई है, क्योंकि टीजर की शुरूआत एआई से बने बच्चों की बातचीत से शुरू होती है। अब लोग इसे लेकर ट्रोल कर रहे हैं और कह रहे हैं कि बस यही देखना बाकी रह गया था। इतना ही नहीं लोग इसे गोविंदा की फिल्म सैंडविच का रीमेक भी बता रहे हैं।

फिल्म के इस टीजर में एक डबल ट्रबल लव स्टोरी की झलक दिखाई गई है, जिसमें वरुण धवन के साथ पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर भी नजर आ रही हैं। इस प्रोजेक्ट के साथ धवन अपने पिता और डायरेक्टर डेविड धवन के साथ भी एक बार फिर काम कर रहे हैं। इस फिल्म को डेविड धवन निर्देशित कर रहे हैं, यह उनकी 46वीं फिल्म है। है जवानी तो इश्क होना है का निर्माण रमेश तौरानी और टिप्स फिल्म्स लिमिटेड ने किया है, जबकि इसका इसे मैक्सिमिलियन फिल्म्स ने को-प्रोड्यूस किया है। यह 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

पंचायत सीजन 4 की शूटिंग शुरू

पंचायत मेकर्स ने ऑफिशियल तौर पर सीरीज के सीजन 5 की शूटिंग शुरू होने का ऐलान कर दिया है। इसी के साथ शो के फोटो भी शेयर किए गए हैं, जिनमें कलाकारों को मेहनत और मस्ती करते देखा जा सकता है। 2020 में अपनी शुरूआत के बाद से पंचायत लगातार इंडिया की सबसे चहेती सीरीज में से एक बनी हुई है। हर सीजन के साथ इसने लोगों का दिल जीता है। खासकर सीजन 4 ने दर्शकों को इस कदर बांधे रखा जैसा पहले कभी नहीं देखा गया था। पंचायत सीजन 4 के जबरदस्त क्लाइमेक्स के बाद फैंस बेसब्री से फुलेरा की कहानी के आगे बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं। पिछला सीजन वहां खत्म हुआ था जहां सचिव जी अपने कैट रिजल्ट के बाद अगला कदम तय कर रहे थे। मंजू देवी पंचायत चुनाव में मिली हार के झटके से उबरने की कोशिश कर रही थीं और प्रधान जी इस नतीजे से पूरी तरह हिल गए थे। सीजन 5 अब इसी तनावपूर्ण मोड़ से आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसमें फुलेरा स्टाइल के ह्यूमर, ड्रामा और दिल छू लेने वाले पलों के साथ कई नए ट्विस्ट और टर्न्स देखने को मिलेंगे। इसको दीपक कुमार मिश्रा और चंदन कुमार ने मिलकर क्रिएट किया है। चंदन कुमार ने इसे लिखा भी है। दीपक कुमार मिश्रा ने इसे डायरेक्ट भी किया है। इस सीजन में जितेंद्र कुमार, नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैसल मलिक, चंदन रॉय, सांविका, दुर्गेश कुमार,

सुनीता राजवार और पंकज झा एक बार फिर साथ नजर आएंगे। हर नए सीजन के साथ यह सीरीज न केवल दर्शकों के साथ अपना रिश्ता मजबूत कर रही है, बल्कि उन्हें फुलेरा गांव की दुनिया में और भी गहराई से ले जा रही है। भारत के दिल में बसा यह छोटा-सा काल्पनिक गांव अब एक ग्लोबल कल्चरल फेनोमेनन बन चुका है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

मन्नत को देखने हर रोज उमड़ती है हजारों पर्यटकों की भीड़

मुंबई। देश भर से मुंबई घूमने आने वाले पर्यटकों के लिए फिल्म अभिनेता शाहरुख खान का निवास स्थान मन्नत किसी व्यू पॉइंट से कम नहीं है। बांद्रा (पश्चिम) बैंडस्टैंड में शाहरुख खान के बंगले मन्नत का बड़े पैमाने पर रिनोवेशन हो रहा है और खान इन दिनों पाली हिल की पूजा कासा नाम की बिल्डिंग में रह रहे हैं। दोपहर बाद मन्नत बंगले के सामने पर्यटकों की भीड़ जमा होने लगती है और देर शाम तक फोटो और सेल्फी लेने का सिलसिला जारी रहता है।

लुधियाना से मुंबई घूमने आये उमेश बाली ने बताया कि मन्नत को देखने का उनका पुराना सपना था, भले ही शाहरुख खान को नहीं देख पाए लेकिन उनकी हसरतें तो पूरी हुई। जम्मू से आये रणजीत कटारिया ने कहा कि वे मुंबई में कई जगहों पर घूम चुके हैं, बस जाने के पहले मन्नत देखने की इच्छा थी इस लिए यहाँ चला आया। मन्नत पहुंचने के बाद भले ही फैंस को शाहरुख खान के दीदार नहीं हुए लेकिन उनकी दीवानगी कोई कम नहीं हुई।

मन्नत बंगले के ठीक सामने एक छोटा सा गार्डन है जहाँ पर्यटक बैठकर आराम करते हैं। इस गार्डन में भेल बेचने वाले मोतिहारी के संतोष ने बताया कि पर्यटकों की भीड़ से उनकी रोजी रोटी चल रही है। चना, सेंग बेचकर वह प्रतिदिन हजार बारह सौ रुपए कमा लेता है। चंपारण के रहने वाले बलदेव ने कहा कि मन्नत के बाहर शाहरुख के फैंस की भारी भीड़ हमेशा देखने को मिलती है। उनके जन्मदिन या ईद पर बाहर जमा होकर उनकी एक झलक पाने का हजारों लोग इंतजार करते हैं।

मन्नत गुजरात के पारसी केकू गांधी का घर था। तब यह विला वियाना नाम से जाना जाता था। शाहरुख ने 1995 में इसे 15 करोड़ रुपए में खरीदा और इसे मन्नत नाम दिया। 27,000 वर्ग फुट का 6 मंज़िला यह आलीशान घर अब एक प्रमुख पर्यटन स्थल बन गया है। शाहरुख खान भले ही अभी इस बंगले में नहीं रहते हैं, लेकिन घर के बाहर फैंस की उमड़ी भीड़ को संभालने के लिए पुलिस को अब मशक्कत करनी पड़ती है।

दुर्लभ प्रजाति की पक्षी है ग्रेट इंडियन बस्टर्ड

अंडे से बाहर आया चूजा मिली जेड प्लस सिक्योरिटी

अहमदाबाद। जेड प्लस सिक्योरिटी अमूमन बड़े-बड़े गिने चुने वीवीआईपी को ही मिलती है, मगर कच्छ के अबडासा में एक दुर्लभ चिड़िया के चूजे को यह खास सुरक्षा दी जा रही है। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड यानी गोडावण का यह चूजा 26 मार्च को अंडे से बाहर आया। इसके बाद से इसकी सुरक्षा में 50 से अधिक कर्मचारी तैनात कर दिए गए। सिक्युरिटी का आलम यह है कि इसके घोसले की ओर जाने वाले रास्ते बंद कर दिए गए हैं। वॉच टावर से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। कोई न कोई सिक्युरिटी अफसर स्पॉटिंग स्कोप और दूरबीन से उसे निहारता है। उसके आसपास की हर हरकत की रिपोर्ट गांधीनगर में आला अफसरों को भेजी जा रही है।

वन विभाग के प्रधान मुख्य संरक्षक (वाइल्ड लाइफ) जयपाल सिंह के मुताबिक ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) दुर्लभ और संरक्षित प्रजाति है। धरती पर सबसे अधिक संकटग्रस्त पक्षी प्रजातियों में से एक गोडावण के चूजे का जन्म काफी महत्वपूर्ण है। एक दशक में गुजरात के जंगलों में पैदा होने वाला पहला चूजा है। उन्होंने बताया कि पहले अंडे से चूजे का बाहर निकलना, फिर उसे एक महीने तक जिंदा रखना चुनौती है।

एसी कोच में सफर करने वाली महिलाओं को बनाता था शिकार

कमल की डंडी के सहारे तालाब में 5 घंटे छिपा रहा चोर

भोपाल। मध्य प्रदेश में एक शातिर चोर को पकड़ने के दौरान ऐसा मामला सामने आया, जिसने सभी को हैरान कर दिया। सिहोरा रेलवे स्टेशन के पास आरपीएफ ने एक आरोपी को तालाब से गिरफ्तार किया, जो करीब पांच घंटे तक पानी के अंदर छिपा रहा और कमल की डंडी के सहारे सांस लेता रहा। जानकारी के अनुसार, आरोपी ट्रेनों में महिला यात्रियों को निशाना बनाकर चोरी करता था। खासकर वह एसी कोच में सफर करने वाली महिलाओं को अपना शिकार बनाता था। आरपीएफ को उसकी तलाश काफी समय से थी।

घटना तड़के की है, जब मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर आरपीएफ ने सिहोरा रेलवे स्टेशन पर आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। जवानों ने पूरे इलाके में घेराबंदी कर ली। जैसे ही आरोपी को इसकी भनक लगी, वह वहां से भाग निकला। भागते हुए आरोपी रेलवे ट्रैक की ओर पहुंचा और खुद को बचाने के लिए पास ही स्थित एक तालाब में कूद गया। आरपीएफ के जवान भी उसके पीछे-पीछे तालाब तक पहुंचे, लेकिन अंधेरे के कारण आरोपी पानी में कहीं नजर नहीं आया।

काफी देर तक तलाश करने के बाद भी जब आरोपी का कोई सुराग नहीं मिला, तो गोताखोरों को बुलाया गया। इसके बाद तालाब में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। करीब पांच घंटे तक लगातार तलाश चलती रही। इस दौरान एक चौंकाने वाली बात सामने आई। आरोपी तालाब में लगे कमल के फूल की खोखली डंडी का इस्तेमाल कर रहा था।

वह उसी डंडी के सहारे पानी के अंदर छिपा रहा और उसी से सांस लेता रहा। इस अनोखे तरीके से वह लंबे समय तक पुलिस की नजरों से बचता रहा। हालांकि, आरपीएफ जवानों ने धैर्य नहीं खोया। लगातार कोशिश और निगरानी के बाद आखिरकार आरोपी को तालाब से बाहर निकाल लिया गया। इस तरह उसकी गिरफ्तारी हो सकी। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश के बिजनौर का रहने वाला है। उसने यह भी कबूल किया कि वह ट्रेनों के एसी कोच में सफर करने वाली महिलाओं को ही निशाना बनाता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ देश के अलग-अलग थानों में करीब दो दर्जन मामले पहले से दर्ज हैं। इससे साफ है कि वह लंबे समय से इस तरह की वारदातों को अंजाम दे रहा था। इस पूरी घटना ने लोगों को हैरान कर दिया। एक तरफ आरोपी का बचने का तरीका चौंकाने वाला था, तो दूसरी तरफ आरपीएफ की सतर्कता और धैर्य ने उसे पकड़ने में अहम भूमिका निभाई। आरपीएफ अब आरोपी से पूछताछ कर रही है और उसके नेटवर्क तथा अन्य मामलों की जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है।

कार्टून डिजाइन से बनाएं बच्चों के रूम को आकर्षक

बच्चों के रूम को डेकोरेट करना बहुत आसान नहीं होता है। इसके लिए आपको कई बातों का ध्यान रखना होता है। बच्चों के रूम को सजाने के लिए अगर उनकी जरूरतों और पसंद का ध्यान रखा जाए, तो वे न केवल अपने रूम में हैप्पी फील करते हैं बल्कि वहां उन्हें पढ़ना और खेलना भी भाता है।

बच्चों के कमरे को डेकोरेट करने के लिए कार्टून थीम बेस्ट मानी जाती है। इस थीम से सजाने के लिए दीवार पर कार्टून कैरेक्टर पेंट करवा सकते हैं या कार्टून थीम वाले वॉलपेपर लगा सकते हैं। इसके अलावा फर्नीचर जैसे की बेड, चेयर और टेबल को भी कार्टून-थीम वाले डिजाइन से सजाया जा सकता है। रूम डेकोरेशन करते समय सामानों में कार्टून-थीम वाले लैंप, कुशन, खिलौने को शामिल किया जा सकता है।

बच्चों के रूम की सजावट करने से पहले उनकी पसंद को ध्यान रखना जरूरी है। अगर बच्चों की पसंद की बात करें तो अधिकतर बच्चों की सबसे पहली पसंद होते हैं कार्टून कैरेक्टर, जिन्हें वे हमेशा अपने आस पास रखना चाहते हैं। बच्चों के फेवरेट कार्टून कैरेक्टर जैसे ही-मैन, सुपरमैन, मिकी माउस, डोनाल्ड डक, स्पाइडर-मैन या बार्बी डॉल आदि से उनका रूम डेकोरेट किया जा सकता है।

बच्चों के कमरे की दीवारों की सजावट भी स्पेशल होनी चाहिए। कमरे के एक वाल पर बच्चों के फेवरेट कार्टून कैरेक्टर की पिक्चर पेंट करवा सकते हैं। चाहें तो दीवार को बच्चों के फेवरेट कार्टून कैरेक्टर के सुंदर वॉलपेपर से भी सजाया जा सकता है। दीवार पर बच्चे की पसंद के कार्टून कैरेक्टर का स्टिकर भी लगाया जा सकता है। बच्चों के रूम में अगर स्टडी टेबल उनकी पसंद की हो तो उनका पढ़ाई में अच्छे से मन लगता है, इसलिए आप बच्चों के लिए ऐसी स्टडी टेबल चुन सकते हैं, जिस पर उनके फेवरेट कार्टून कैरेक्टर का डिजाइन बना हो। चाहें तो टेबल के सामने की दीवार पर कुछ मोटिवेशनल या पॉजिटिव कोट्स भी लगाया जा सकता है। बच्चों के लिए उनके पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर के डिजाइन वाली प्लास्टिक, लकड़ी या स्टील की अलमारी को उनकी पसंद के रंगों जैसे ब्लू, व्हाइट में ले सकते हैं। अगर बच्ची को डॉल्स बहुत पसंद है तो उसके रूम में खूबसूरत डिज्नी प्रिंसेस वाली अलमारी रख सकते हैं। यह अलमारी उसके कमरे की खूबसूरती में चार चांद लगा देगी। बच्चों के रूम को कार्टून-थीम वाले लैंप, कुशन, खिलौने, फोटो फ्रेम और नर्सरी राइम की पेंटिंग से भी सजाया जा सकता है।

कारपेंटर की बेटी गरिमा जांगिड़ ने रचा इतिहास

झुंझुनू। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के 12वीं विज्ञान वर्ग के नतीजों में इस बार प्रतिभाओं ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। झुंझुनू जिले में नवलगढ़ उपखंड के सोटवारा गांव की रहने वाली गरिमा जांगिड़ ने विपरीत परिस्थितियों को मात देते हुए ऐसा मुकाम हासिल किया है, जो करोड़ों छात्रों का सपना होता है। गरिमा ने कुल 500 में से 496 अंक प्राप्त किए हैं। नवलगढ़ के सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बलवंतपुरा की छात्रा गरिमा की इस उपलब्धि की खबर मिलते ही स्कूल परिसर में होली और दिवाली जैसा माहौल हो गया। स्कूल के निदेशक बीरबल सिंह गोदारा ने गरिमा को मिठाई खिलाकर बधाई दी और इसे स्कूल की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताया।

गरिमा की सफलता की कहानी संघर्ष और सादगी की मिसाल है। उनके पिता पितराम जांगिड़ पेशे से कारपेंटर हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी बेटी की शिक्षा में कोई कमी नहीं आने दी। गरिमा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता के आशीर्वाद और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने परिणाम जारी करते हुए सभी सफल छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मंत्री ने कहा कि राजस्थान के ग्रामीण अंचलों से निकलकर बेटियां जिस तरह से शिक्षा के क्षेत्र में टॉप कर रही हैं, वह विकसित राजस्थान की संकल्पना को साकार कर रहा है।

शहर की पुरानी बढ़ईगीरी कला पर मंडराया खतरा

मांग घटने और लागत बढ़ने से कारपेंटरों की हालत खस्ता

कैमूर। भभुआ में वर्षों से लकड़ी से विभिन्न तरह की चीजें तैयार कर अपनी आजीविका चलाने वाले कारपेंटरों की स्थिति इन दिनों बेहद खराब हो गई है। भभुआ-चैनपुर रोड सहित शहर के विभिन्न इलाकों में छोटी-छोटी दुकानों में काम करने वाले कारीगरों का कहना है कि पहले जहां शादी विवाह और घरेलू जरूरतों के लिए बेड, अलमारी, दरवाजे खिड़की और अन्य सामान के भरपूर ऑर्डर मिलते थे, वहीं अब काम में भारी गिरावट आई है। कारीगरों के अनुसार लकड़ी, प्लाई और अन्य कच्चे माल की कीमतों में लगातार वृद्धि से लागत बढ़ गई है, जबकि ग्राहक सस्ते मशीन निर्मित फर्नीचर की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं।

बड़े शहरों से रेडीमेड फर्नीचर आने के कारण स्थानीय स्तर पर तैयार किए जाने वाले सामान की मांग घटती जा रही है। इससे रोज कमाने-खाने वाले कारीगरों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कारपेंटरों ने बताया कि पहले एक महीने में 8-10 बड़े ऑर्डर मिल जाते थे, लेकिन अब मुश्किल से 2-3 काम ही मिल पाते हैं। दुकान का किराया, बिजली बिल और मजदूरी निकालना भी कठिन हो गया है। कुछ कारीगरों ने तो मजबूरी में दूसरा काम तलाशना शुरू कर दिया है। कारीगरों की मांग है कि सरकार की ओर से उन्हें सस्ती दर पर ऋण, उपकरणों पर अनुदान और प्रशिक्षण की सुविधा दी जाए, ताकि वह आधुनिक मशीनों का उपयोग कर प्रतिस्पर्धा में टिक सकें। साथ ही स्थानीय स्तर पर तैयार फर्नीचर को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं चलाई जाएं। यदि समय रहते इन पारंपरिक कारीगरों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया तो शहर की पुरानी बढ़ईगीरी कला धीरे-धीरे समाप्त हो सकती है।

जंग की तपिश :

प्लाईवुड, लेमिनेट हुए महंगे

मुंबई। पश्चिम एशिया में छिड़े युद्ध का असर फर्नीचर निर्माण सामग्री की कीमतों पर दिखने लगा है। प्लाईवुड बनाने के लिए जरूरी लकड़ी को छोड़कर सभी कच्चा माल जैसे फार्मेल्डिहाइड, फीनॉल, मेथनॉल, कास्टिक आदि ईरान-इराक जैसे देशों से आता है। ये सभी पेट्रोलियम उत्पाद हैं। युद्ध की स्थिति के चलते फार्मेल्डिहाइड और पीवीसी की उपलब्धता पर भी असर पड़ने लगा है। इसका असर फर्नीचर निर्माण क्षेत्र पर पड़ेगा और आने वाले समय में घर का काम करवाना चुनौतीपूर्ण होगा। हालात ऐसे ही रहे तो लैमिनेट, ऐक्रेलिक और पीवीसी शीट के साथ प्लाईवुड, फ्लश डोर और ब्लॉक डोर की कीमतों में वृद्धि की जा सकती है। इस बीच देशभर के कई व्यापारिक एसोसिएशन ने प्लाई निमार्ताओं को भाव वृद्धि नहीं करने का कहा है। ऑल इंडिया प्लाईवुड एंड लैमिनेट ट्रेड व्यापारी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष नरेंद्र बाफना ने बताया लैमिनेट बनाने में जरूरी केमिकल फार्मेल्डिहाइड और रेजिन के भाव में अंतरराष्ट्रीय बाजार में ही तेजी आई है। चाइना ने भाव बढ़ा दिए हैं, जिससे लागत बढ़ी है। युद्ध के दौरान अन्य चीजों की भी अनिश्चितता के चलते इन सभी के भाव बढ़ाए गए हैं। कई मेलामाइन यूनिट्स गैस की कमी के कारण भी बंद हो रहे हैं।

विश्वकर्मा समाज के राष्ट्रीय अधिवेशन गणेश गार्डन नीलबड़ भोपाल मध्य प्रदेश में आयोजित अधिवेशन को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा ने संबोधित किया। अध्यक्षता राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री राम प्यारे विश्वकर्मा अम्बेडकर नगर तथा संचालन प्रदेश अध्यक्ष विनोद विश्वकर्मा भोपाल तथा संयोजक जीपी विश्वकर्मा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ने किया। मंच पर श्री दिनेश भाई विश्वकर्मा नासिक, एम एम शर्मा नागपुर, मनोरंजन महाराणा उड़ीसा, आचार्य मनमोहन शर्मा जयपुर, महेन्द्र विश्वकर्मा उत्तर प्रदेश,अशोक विश्वकर्मा कटनी, कृष्णावेणी बंगलौर, मेयर अंकिता विश्वकर्मा, महाराष्ट्र प्रेम नारायण विश्वकर्मा, पूर्व मंत्री मध्यप्रदेश मनोज विश्वकर्मा, पार्षद भोपाल बीआर विश्वकर्मा भोपाल, कमल विश्वकर्मा भोपाल उपस्थित थे।

जयंत चौधरी को अचीवर्स अवार्ड

मुंबई। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी को प्रतिष्ठित इंडिया-यूके अचीवर्स पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया है। यह विशिष्ट सम्मान उन प्रभावशाली भारतीयों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने ब्रिटेन के शिक्षण संस्थानों से शिक्षा प्राप्त की है। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के छात्र रहे चौधरी नेशनल इंडियन स्टूडेंट्स एंड एलुमनाई यूनियन द्वारा घोषित उन सात उत्कृष्ट हस्तियों में सम्मिलित हैं, जिन्हें पिछले सप्ताह लंदन में आयोजित वार्षिक सम्मेलन के दौरान सम्मानित किया गया।

महात्मा ज्योतिराव फुले का जन्मदिन मनाया गया

जम्मू। समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले का 199 वां जन्मदिन श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी, न्यू प्लॉट जम्मू में मनाया गया। रमेश अंगोत्रा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रवक्ता बलबीर राम रतन, आईबीसीएफ अध्यक्ष एफ सी सतिया विशेष तौर पर उपस्थित थे। ज्योतिराव की तस्वीर पर माला चढ़ाई गई और हिस्सा लेने वाले स्टूडेंट्स को नोटबुक बांटी गई।

रमेश अंगोत्रा ने कहा कि ज्योतिराव गोविंदराव फुले, जिनका जन्म 1827 में महाराष्ट्र में हुआ था, माली जाति से थे जिसे आज ओबीसी माना जाता है। ज्योतिराव के पिता फूल वाले थे, इसलिए परिवार ने फुले नाम अपना लिया। बलवंत कटारिया ने बताया कि ज्योतिबा फुले ने साल 1873 में सत्यशोधक समाज (सत्य के साधकों का समाज) भी शुरू किया था। रमेश अंगोत्रा (लाइब्रेरी के कन्वीनर) ने कहा, फूले ने भारत में जिस सामाजिक क्रांति की नींव रखी, वे आखिर में डॉ. बी.आर. अंबेडकर जैसे लोगों के लिए प्रेरणा बने। चीफ गेस्ट ने महात्मा फुले की एक जरूरी बात कही, शिक्षा की कमी ने हमसे सब कुछ छीन लिया। जोगिंदर अंगोत्रा ने कहा कि ज्योतिबा ने 1848 में एक महिला स्कूल शुरू किया और अपनी पत्नी को वहां सभी जातियों की स्टूडेंट्स को पढ़ाने के लिए लगाया। विधवाओं की बुरी हालत को समझने के बाद, ज्योतिबा ने जवान विधवाओं के लिए एक आश्रम भी शुरू किया और विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की। उस समय लड़कियों की हत्या और बाल विवाह दोनों आम बातें थीं। ज्योतिबा ने इन गरीब बच्चों की सुरक्षा के लिए 1854 में एक अनाथालय शुरू किया था। इस मौके पर बलबीर राम रतन को राइट्स ऑफ मैन तथा अन्निहिलेशन ऑफ कास्ट किताबें भी भेंट की गयी। कार्यक्रम जोगिंदर अंगोत्रा (लाइब्रेरी के इंचार्ज) ने चलाया। मौजूद लोगों में मोहिंदर लाल, विजय प्रजापति, ओम कटारिया, राज चलोत्रा, सोमनाथ आजाद, गांव खलाती (कोर जागीर) के स्टूडेंट्स और माता पिता वगैरह शामिल थे।

संत कनप्पा उन 63 नयनार संतों में गिने जाते हैं, जो शिव के उपासक थे व तीसरी से आठवीं शताब्दी के बीच हुए थे। जबकि अलवार संत विष्णु के उपासक थे। कनप्पा पेशे से शिकारी थे, जो बाद में संत बन गए। उनके भक्त मानते हैं कि वो पिछले जन्म में पांडवों में से एक अर्जुन थे। कनप्पा नायनार के कई नाम चलन में हैं, जैसे थिनप्पन, थिन्नन, धीरा, कन्यन, कन्नन आदि। माता पिता ने उनका नाम थिन्ना रखा था। आंध्र प्रदेश के राजमपेट इलाके में उनका जन्म हुआ था। उनके पिता बड़े शिकारी थे और शिवभक्त थे, शिव के पुत्र कार्तिकेय को पूजते थे। कनप्पा श्रीकालाहस्ती स्वरा मंदिर में वायु लिंग की पूजा करते थे, शिकार के दौरान उन्हें ये मंदिर मिला था। पांचवी सदी में बना इस मंदिर का बाहरी हिस्सा 11वीं सदी में राजेन्द्र चोल ने बनवाया था, बाद में विजयनगर साम्राज्य के राजाओं ने उसका जीर्णोद्धार करवाया।

शिव भक्त कन्नप्पा

वे चेंचू कबीले से ताल्लुक रखते थे और शिकारी परिवार से थे। तिन्ना यानी कन्नप्पा नास्तिक के रूप में बड़े हुए। वे भगवान को नहीं मानते थे और अक्सर पूजा पाठ का विरोध किया करते थे। बताया जाता है कि एक दिन जब वे जंगल में शिकार के लिए गए थे, तब उन्हें हवा में शिव लिंग की आकृति दिखी, जिसे वायु लिंग के रूप में जाना जाता है। तिन्ना पूजा-पाठ नहीं जानते थे। लेकिन उनके पास जो था (मुंह में पानी और शिकार से प्राप्त किया गया मांस), उन्होंने वह उस वायु लिंग को अर्पित कर दिया। तिन्ना की भक्ति में सच्चाई देखते हुए भगवान शिव ने उनके द्वारा अर्पित किया गया मुंह का पानी और शिकार का मांस स्वीकार कर लिया। उनकी श्रद्धा अगाध थी। कहा जाता है कि वह पास की स्वर्णमुखी नदी से मुंह में पानी भरकर लाते थे और उससे शिवलिंग का जलाभिषेक करते थे, चूंकि शिकारी थे, सो जो भी उन्हें मिलता था, एक हिस्सा शिव को अर्पित कर देते थे।

लेकिन शिव अपने इस भक्त की आस्था को देखकर खुश थे। उनको पता था कि इसे पूजा करनी नहीं आती है, ना मंत्र पता है ना किसी तरह के विधि विधान। सैकड़ों सालों से यह कथा कनप्पा के भक्तों में प्रचलित है कि एक दिन महादेव ने उनकी परीक्षा लेने की ठानी और उन्होंने उस मंदिर में उस वक्त भूकंप के झटके दिए, जब मंदिर में बाकी साथियों, भक्तों और पुजारियों के साथ कनप्पा भी मौजूद थे।

जैसे ही भूकंप के झटके आए, लगा कि मानो मंदिर की छत गिरने वाली है, तो डर के मारे सभी भाग गए, भागे नहीं तो बस कनप्पा। उन्होंने अपने शरीर से शिवलिंग को पूरी तरह से ढक लिया ताकि कोई पत्थर अगर गिरे तो शिवलिंग के ऊपर ना गिरे बल्कि उनके ऊपर गिरे। इससे वह पूरी तरह सुरक्षित रहा।

शिवलिंग पर तीन आंखें बनी हुई थीं। जैसे ही भूकंप के झटके थोड़ा थमे, कनप्पा ने देखा कि शिवलिंग पर बनी एक आंख से रक्त और आंसू एक साथ निकल रहे थे। उनकी समझ में आ गया कि किसी पत्थर से शिवजी की एक आंख घायल हो गई है। आव देखा न ताव, कनप्पा ने फौरन अपनी एक आंख अपने एक बाण से निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी और उसे निकालकर शिवलिंग की आंख पर लगा दिया, जिससे उसमें से खून निकलना बंद हो गया। लेकिन थोड़ी देर बाद ही शिवलिंग की दूसरी आंख से रक्त और आंसुओं का निकलना शुरू हो गया।

तब कनप्पा ने जैसे ही दूसरी आंख निकालने की प्रक्रिया शुरू की, उनके दिमाग में आया कि जब मैं अपनी दूसरी आंख भी निकाल लूंगा तो बिलकुल अंधा हो जा जाऊंगा, ऐसे में मुझे कैसे दिखेगा कि उस आंख को शिवलिंग में कैसे लगाना है।

ऐसे में उन्हें एक उपाय सूझा, उन्होंने फौरन अपना एक पैर उठाया और पैर का अंगूठा ठीक उस आंख के पास लगा दिया,ताकि अंधा होने के बावजूद वो शिवजी की दूसरी आंख की जगह अपनी आंख लगा सकें। उसी वक्त भगवान शिव प्रकट हुए और उससे खुश होकर उसकी आंखें एकदम ठीक कर दीं। यही वो घटना थी, जिसके चलते थिन्ना को नया नाम कनप्पा मिला था। इसी मौके की वो तस्वीर या मूर्तियां हैं कि कैसे वह एक हाथ में बाण से आंख निकालेंगे, दूसरे हाथ से उसे पकड़ेंगे तो जहां से आंख निकालनी है, उस जगह को कैसे चिन्हित करेंगे, तो पैर का अंगूठा उस मासूम भक्त ने शिवलिंग पर रखा। बस तभी से संत कनप्पा की भक्ति को दिखाने के लिए यह मूर्ति उकेरी गयी है ताकि लोग भक्ति का वास्तविक अर्थ समझ सकें।

भगवान शिव की पुत्री अशोक सुंदरी

भगवान शिव की पुत्री का नाम अशोक सुन्दरी था। हालांकि महादेव की और भी पुत्रियाँ थीं जिन्हें नागकन्या माना गया। जया, विषहर, शामिलबारी, देव और दोतलि। अशोक सुन्दरी को भगवान शिव और पार्वती की पुत्री बताया गया इसलिए वही गणेशजी की बहन है। इनका विवाह राजा नहुष से हुआ था।

ये भगवान शिव और माता पार्वती बेटी हैं ये भगवान कार्तिकेय से छोटी किन्तु गणेश जी, मनसा देवी, देवी ज्योति और भगवान अयप्पा से बड़ी हैं। महर्षि जरत्कारु और अश्विनी कुमार नासत्य इनके बहनोई हैं। महर्षि आस्तिक की मौसी हैं। देवसैना, वल्ली और ऋद्धि, सिद्धि की ननंद तथा संतोषी माता, क्षेम और लाभ की बुआ हैं। पद्म पुराण अनुसार अशोक सुन्दरी देवकन्या हैं। माता पार्वती के अकेलेपन को दूर करने हेतु कल्पवृक्ष नामक पेड़ के द्वारा ही अशोक सुन्दरी की रचना हुई थी। एक बार माता पार्वती विश्व में सबसे सुन्दर उद्यान में जाने के लिए भगवान शिव से कहा। तब भगवान शिव अपनी पत्न ी पार्वती को नंदनवन ले गए। वहाँ माता को कल्पवृक्ष से लगाव हो गया और वे उस वृक्ष को लेकर कैलाश आ गईं। कल्पवृक्ष मनोकामना पूर्ण करने वाला वृक्ष है। पार्वती ने अपने अकेलेपन को दूर करने हेतु उस वृक्ष से यह वर मांगा कि उन्हें एक कन्या प्राप्त हो। तब कल्पवृक्ष द्वारा एक कन्या का जन्म हुआ। कन्या माता पार्वती के अकेलेपन को दूर करने के लिये जन्मी थी इसलिए उनको नाम अशोक रखा गया और देखने में कन्या बहुत ही रूपवती सुंदर थी इसलिए उनका अशोक सुन्दरी हुआ। माता पार्वती ने अशोक सुन्दरी को वरदान दिया कि उसका विवाह देवराज इन्द्र जैसे शक्तिशाली युवक से होगा। इसी वरदान के असर के कारण एक बार अशोक सुंदरी अपनी दासियों के साथ नंदनवन में विचरण कर रही थीं तभी वहाँ हुण्ड नामक राक्षस का आया। जो अशोक सुन्दरी की सुन्दरता से मोहित हो गया और उसने अशोक सुन्दरी के सामने विवाह का प्रस्ताव रखा। लेकिन अशोक सुन्दरी ने अपने वरदान और विवाह के बारे में बताया कि उनका विवाह नहुष से ही होगा। यह सुनकर राक्षस ने कहा कि वह नहुष को मार डालेगा। ऐसा सुनकर अशोक सुन्दरी ने राक्षस को शाप दिया कि जा दुष्ट तेरी मृत्यु नहुष के हाथों ही होगी। यह सुनकर वह राक्षस घबरा गया। तब उसने राजकुमार नहुष का अपहरण कर लिया। लेकिन नहुष को राक्षस हुण्ड की एक दासी ने बचा लिया। इस तरह महर्षि वशिष्ठ के आश्रम में नहुष बड़े हुए और उन्होंने हुण्ड का वध किया। इसके बाद नहुष तथा अशोक सुंदरी का विवाह हुआ हुआ। विवाह के बाद अशोक सुन्दरी ने ययाति जैसे वीर पुत्र तथा सौ रूपवती कन्याओं को जन्म दिया। ययाति भारत के चक्रवर्ती सम्राटों में से एक थे और उन्हीं के पांच पुत्रों से सम्पूर्ण भारत पर राज किया था। उनके पांच पुत्रों का नाम : पुरु, यदु, तुर्वस, अनु और द्रुहु। इन्हें वेदों में पंचनन्द कहा गया है।

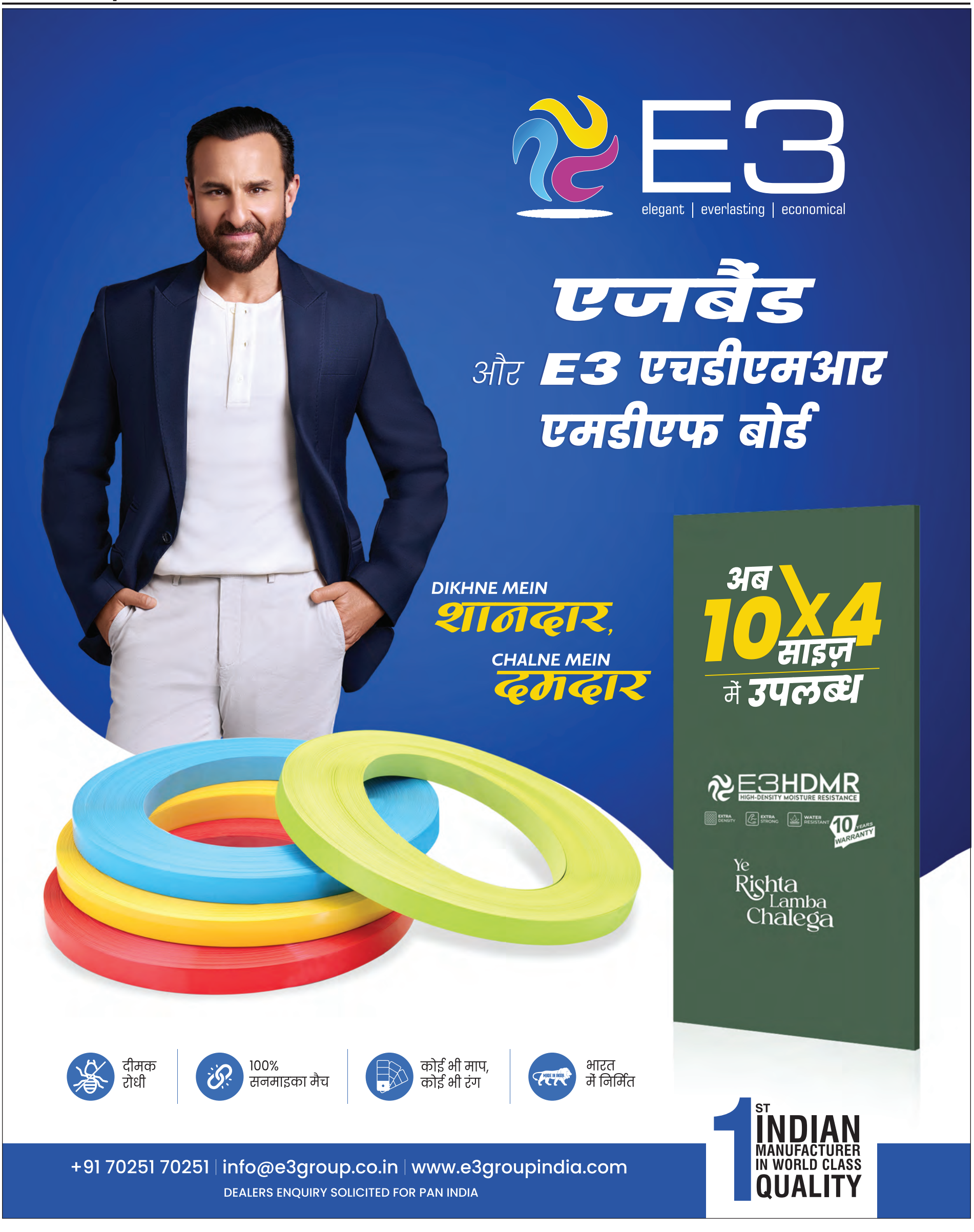
E3
elegant | everlasting | economical
एजबैंड
और E3 एचडीएमआर
एमडीएफ बोर्ड
DIKHNE MEIN
शानदार,
CHALNE MEIN
दमदार
अब 10X4 साइज़ में उपलब्ध
E3HDMR
HIGH-DENSITY MOISTURE RESISTANCE
EXTRA DENSITY
EXTRA STRONG
WATER RESISTANT
10 YEARS WARRANTY
Ye Rishta Lamba Chalega
दीमक रोधी
100% सनमाइका मैच
कोई भी माप, कोई भी रंग
भारत में निर्मित
+91 70251 70251 | info@e3group.co.in | www.e3groupindia.com
DEALERS ENQUIRY SOLICITED FOR PAN INDIA
1ST INDIAN MANUFACTURER IN WORLD CLASS QUALITY